

सौषिर पुं. (तत्.) 1. दाँतों तथा मसूड़ों का एक रोग 2. वाद्यंत्र जो हवा फूँकने पर बजता हो जैसे- बाँसुरी।

सौषिर्य पुं. (तत्.) सुषिरता, पीलापन।

सौषुम्न वि. (तत्.) सुषुम्ना नाड़ी से संबंध रखने या उसमें होने वाला पुं. सूर्य की एक विशिष्ट किरण।

सौष्ठव पुं. (तत्.) 1. सुष्ठु होने की अवस्था, गुण या भाव, सुष्ठुता 2. सुंदरता 3. निपुणता, पटुता, चातुर्य, चतुराई 4. अधिकता, आधिक्य 5. उत्तमता।

सौसनी वि. (फा.) सौसन के रंग का, नीले रंग का।

सौस्थित्य पुं. (तत्.) अच्छी स्थिति में होने की अवस्था या भाव ज्यो. फलित ज्योतिष में ग्रहों की अच्छी या शुभ स्थिति।

सौस्नातिक वि. (तत्.) 1. यज्ञ के अंत में यजमान या याज्ञिक से यह प्रश्न कि स्नान सफल हो गया न 2. स्नान मंगलकारी होने के संबंध में पूछने वाला।

सौस्वर्य पुं. (तत्.) सु-स्वर होने की अवस्था या भाव, सुस्वरता।

सौहं स्त्री. (तद्.) शपथ, सौगंध, कसम।

सौहन पुं. (देश.) पैसे का चौथाई भाग, छदाम, टुकड़ा।

सौहर पुं. (देश.) 1. सोहर (गीत) 2. शौहर।

सौहरा पुं. (तद्.) 1. ससुर, श्वसुर 2. ससुराल।

सौहार्द पुं. (तत्.) 1. सहृदय का भाव 2. मित्रता, मैत्री, दोस्ती 3. मित्र का पुत्र।

सौहार्द-व्यंजक पुं. (तत्.) मैत्री भाव को प्रकट करने वाला।

सौहित्य पुं. (तत्.) 1. तुष्टि, संतोष 2. पूर्णता 3. सुंदरता।

सौहीं स्त्री. (फा.) 1. एक प्रकार की रेती 2. एक प्रकार का अस्त्र या हथियार।

सौहृद वि. (तत्.) सुहृद या मित्र संबंधी पुं. 1. सुहृद, मित्र 2. एक प्राचीन जनपद।

सौहृदय पुं. (तत्.) सौहार्द।

सौहोत्र पुं. (तत्.) सुहोत्र के अपत्य अजमीड और पुरुमीड नामक वैदिक ऋषि।

स्कंद पुं. (तत्.) 1. छलाँग, उछाल, कुलाँच 2. पारद, पारा 3. कार्तिकेय 4. नाश, ध्वंस 5. रक्त का थक्का 6. शरीर, देह 7. शिव 8. पंडित, विद्वान 9. राजा 10. नदी का किनारा 11. बालकों के नौ प्राणघातक ग्रहों या रोगों में से एक।

स्कंदक पुं. (तत्.) 1. कूदने या उछलने वाला व्यक्ति 2. सैनिक, सिपाही 3. एक प्रकार का प्राचीन छंद 4. खून का थक्का जमाने में प्रेरक वस्तु।

स्कंदगुप्त पुं. (तत्.) गुप्तवंश के एक प्रतापी तथा प्रसिद्ध सम्राट जिनका राज्य काल ई. 450 से 467 तक माना जाता है।

स्कंदजननी स्त्री. (तत्.) कार्तिकेय की माता पार्वती।

स्कंदजित पुं. (तत्.) स्कंद को जीतने वाले विष्णु।

स्कंदता स्त्री. (तत्.) स्कंद का धर्म या भाव।

स्कंदन पुं. (तत्.) 1. क्षरण, बहाव 2. मल का बाहर निकलना, रेचन 3. गमन 4. सोखना, शोषण 5. शरीर के रक्त का जमना 4. शीतल उपचार में खून का बहना बंद करने की क्रिया।

स्कंदपुराण पुं. (तत्.) अठारह पुराणों में से एक प्रसिद्ध पुराण।

स्कंद माता स्त्री. (तत्.) स्कंद की माता पार्वती, दुर्गा।

स्कंदषष्ठी स्त्री. (तत्.) 1. चैत सुदी छठ जो कार्तिकेय के देव सेनापति पद पर अभिषिक्त होने की तिथि मानी जाती है 2. तांत्रिकों की एक देवी जो स्कंद की पत्नी मानी गई है।